Andhra Pradesh — Summative Assessment 1 (SA1), 2026-27
Class IX — Hindi (Second Language)
उत्तर कुंजी — सेट 2

For: Model Paper Set 2 **Max. Marks: 80**

Notes for valuers

- खंड क–ख: सही भाव वाले उत्तर स्वीकार करें; छोटी वर्तनी की गलतियों पर अंक न काटें।
- खंड ग–घ: नीचे दिए गए मूल्य-बिंदु मार्गदर्शन के लिए हैं; छात्र के अपने शब्दों में सही उत्तर पूरे अंक के योग्य है।
- पत्र/निबंध/संवाद (8 अंक): विषय-वस्तु 4, प्रारूप/क्रम 2, भाषा 2।
- पाठ-आधारित उत्तरों को मूल्यांकनकर्ता पाठ्यपुस्तक से मिलाकर देख लें।

खंड – क 20 × 1 = 20

1. A) जल

2. B) दुख

3. A) शेरनी

4. A) नदियाँ

5. A) सूर्य + उदय

6. B) द्वंद्व

7. C) से

8. B) परोपकारी

9. B) भाग जाना

10. A) सीता गाना गाएगी।

11. B) साइकिल से

12. C) छह किलोमीटर

13. B) ज़िले में प्रथम आई

14. A) लोगों ने बेटियों को स्कूल भेजना शुरू किया

15. B) डॉक्टर

16. A) जो मेहनत से डरते हैं

17. B) जो धूप-छाँव में चलते रहते हैं

18. A) खेल

19. A) लक्ष्य

20. A) मेहनत करते हुए आगे बढ़ते रहना

खंड – ख 4 × 2 = 8

21. (क) आदर – अनादर (ख) सच – झूठ (ग) अमीर – गरीब (घ) जीत – हार *[4 × ½]*

22. (क) लड़के खेलते हैं।
(ख) चिड़ियाँ गाती हैं।

23. (क) आँखों का तारा होना – बहुत प्यारा होना। वाक्य: राजू अपनी दादी की आँखों का तारा है।
(ख) कमर कसना – किसी काम के लिए तैयार होना। वाक्य: परीक्षा के लिए छात्रों ने कमर कस ली है।

24. ईशान को चित्रकला (चित्र बनाने और रंग भरने) में विशेष रुचि थी।

खंड – ग

5 × 4 = 20

25. मूल्य-बिंदु: हमारे देश में पवित्र गंगा बहती है; यहाँ के लोग सरल, सच्चे और मेहमानों का आदर करने वाले हैं; हम कम में भी संतोष करते हैं; सबको प्रेम और भाईचारे से गले लगाते हैं; अनेकता में एकता; किसी पर अत्याचार नहीं करते। (कविता के अनुसार कोई चार बिंदु।)

26. मूल्य-बिंदु: सच्ची कला और प्रतिभा स्वतंत्रता में खिलती है; किसी जीव को कैद करके उसका स्वाभाविक गुण नहीं पाया जा सकता; धन-वैभव से अधिक मूल्यवान है प्रकृति और स्वतंत्रता; दिखावे की नकली वस्तु असली की बराबरी नहीं कर सकती। (छात्र के अपने शब्दों में उचित सीख स्वीकार करें।)

27. मूल्य-बिंदु: पिता बेटी को ज्ञान और पढ़ाई का महत्व समझाते हैं; दुनिया और इतिहास को जानने की जिज्ञासा; जो काम करो, खुलकर और ईमानदारी से करो, कोई बात छिपाओ नहीं; देश-सेवा और सबके प्रति प्रेम; भय छोड़कर साहसी बनना। (पत्र की बातें पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

28. लोक-उत्सव हमारी परंपराओं और लोक-कथाओं को जीवित रखते हैं।
वीर पूर्वजों की याद दिलाकर साहस और त्याग की प्रेरणा देते हैं।
विभिन्न जाति-वर्गों के लोग एक साथ आते हैं — एकता और भाईचारा बढ़ता है।
लोक-नृत्य, गीत, हस्तकला को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलता है।

29. (क) सूरज पूर्व में उगता है। *[4 × 1]*
(ख) कृपया मुझे एक गिलास पानी दीजिए।
(ग) मेरा मित्र विजयवाड़ा में रहता है।
(घ) हमें अपने आस-पास साफ़ रखना चाहिए।

खंड – घ

4 × 8 = 32

30. (अ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (आपका आज्ञाकारी शिष्य / तुम्हारा मित्र), नाम।
छोटे भाई को स्नेह; परीक्षा का समय; समय-सारणी बनाकर पढ़ना; मोबाइल/टीवी कम; कठिन विषयों पर अधिक ध्यान; स्वास्थ्य और खेल का संतुलन; शुभकामनाएँ।

30. (आ) औपचारिक पत्र प्रारूप: प्रेषक का पता, दिनांक, सेवा में, पद व पता, विषय, महोदय, विषय-वस्तु, धन्यवाद, भवदीय / आज्ञाकारी शिष्य, नाम।
विषय: मोहल्ले की सफ़ाई हेतु शिकायत-पत्र। कूड़े के ढेर, नालियों का बंद होना, मच्छर और बीमारियाँ, कई बार कहने पर भी कार्रवाई नहीं; नियमित सफ़ाई और कूड़ेदान रखवाने का निवेदन।

31. (अ) स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत (2 अक्टूबर 2014, गांधी जयंती); उद्देश्य — खुले में शौच मुक्त भारत, साफ़ गलियाँ; स्वच्छता से स्वास्थ्य; नागरिकों का कर्तव्य — कूड़ा कूड़ेदान में, गीला-सूखा कचरा अलग, प्लास्टिक कम; विद्यार्थियों की भूमिका; निष्कर्ष।

31. (आ) त्योहार का नाम और समय; क्यों मनाया जाता है (कथा/महत्व); तैयारी — सफ़ाई, सजावट, नए कपड़े; पूजा, पकवान, मेल-मिलाप; इससे मिलने वाली सीख; क्यों प्रिय है।

32. (अ) पाठ की मुख्य घटना/पात्रों का क्रमबद्ध सार; पुरानी या संकीर्ण सोच से उत्पन्न समस्या; सोच बदलने पर आया परिवर्तन; पाठ का संदेश — सकारात्मक और खुली सोच अपनाएँ। (पाठ्यपुस्तक के अनुसार घटनाएँ मिलाएँ।)

32. (आ) कविता का भाव: कवि प्रकृति के विभिन्न रूपों — पर्वत, सागर, नदी, पृथ्वी, आकाश, सूरज/चाँद — से मनुष्य को जीवन के गुण सीखने की प्रेरणा देता है: ऊँचे लक्ष्य, विशाल हृदय, निरंतर कर्म, धैर्य, उदारता और दूसरों के लिए जीना।

33. (अ) संवाद प्रारूप: रोगी अपनी तकलीफ़ बताता है (बुखार, सिरदर्द आदि); डॉक्टर प्रश्न पूछते हैं, जाँच करते हैं; दवा और परहेज़ बताते हैं; आराम की सलाह; फिर आने का समय; धन्यवाद। 10–12 वाक्य।

33. (आ) शीर्षक: शेर और चूहा / छोटे का भी महत्व। शेर सो रहा था, चूहा उस पर उछला; शेर ने पकड़ा, चूहे की विनती पर छोड़ दिया; बाद में शेर शिकारी के जाल में फँसा; चूहे ने जाल कुतरकर उसे आज़ाद किया; दोनों मित्र बने। सीख: किसी को छोटा न समझें; उपकार का फल मिलता है।

* * *